माहरे सिर पे है मैया जी को हाथ

माहरे सिर पे है मैया जी को हाथ कोई तो मारो ताहि कर सी,

जे कोई माहरी मैया जी ने सांचे मन से ध्यावे,
काल कपाल भी मैया जी के भगता से गबरावे,
जे कोई पकड़ो है मैया जी रो हाथ विको तो मैया काई कर सी,
माहरे सिर पे है मैया जी को हाथ कोई तो मारो ताहि कर सी,

जो माँ पे विश्वाश करे वो घुटी तान के सोहे,
पथ न वेस करे कोई बाल न बांको हॉवे,
जानके मन में नहीं है विश्वाश विको तो मैया कोई कर सी,
माहरे सिर पे है मैया जी को हाथ कोई तो मारो ताहि कर सी,

कलयुग माहि ताहियाँ मियां महारी साँची नाम कमाई,
जब जब भीड़ पड़ी भगता पे दौड़ी दौड़ी आई,
या तो घट घट की जाने सारी बात कोई तो माहरो ताहि कर सी
माहरे सिर पे है मैया जी को हाथ कोई तो मारो ताहि कर सी,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/13096/title/maahre-sir-pe-hai-maiyan-ji-ko-hath

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |